



॥ श्री सरस्वती माता की आरती ॥

जय सरस्वती माता, मैया जय सरस्वती माता ।
सद्गुण वैभवशालिनी, त्रिभुवन विख्याता ॥
जय सरस्वती माता ॥

चन्द्रवदनि पद्मासिनि, द्युति मंगलकारी ।
सोहे शुभ हंस सवारी, अतुल तेजधारी ॥
जय सरस्वती माता ॥

बाएँ कर में वीणा, दाएँ कर माला ।
शीश मुकुट मणि सोहे, गल मोतियन माला ॥
जय सरस्वती माता ॥

देवी शरण जो आए, उनका उद्धार किया ।
पैठी मंथरा दासी, रावण संहार किया ॥
जय सरस्वती माता ॥

विद्या ज्ञान प्रदायिनि, ज्ञान प्रकाश भरो ।
मोह अज्ञान और तिमिर का, जग से नाश करो ॥
जय सरस्वती माता ॥

धूप दीप फल मेवा, माँ स्वीकार करो ।
ज्ञानचक्षु दे माता, जग निस्तार करो ॥
जय सरस्वती माता ॥

माँ सरस्वती की आरती, जो कोई जन गावे ।
हितकारी सुखकारी, ज्ञान भक्ति पावे ॥

जय सरस्वती माता, मैया जय सरस्वती माता ।
सद्गुण वैभवशालिनी, त्रिभुवन विख्याता ॥
जय सरस्वती माता ॥

और भी आरती व चालीसा देखने के लिए नीचे दिए गए लिंक पर क्लिक करें:

<https://bhaktimargdarshan.com/>

हम आशा करते हैं कि यह सामग्री आपके लिए उपयोगी रही होगी ।
अगर आपको यह पसंद आई हो, तो इसे अपने परिवार और मित्रों के साथ जरूर साझा करें ।

Bhakti Margdarshan

